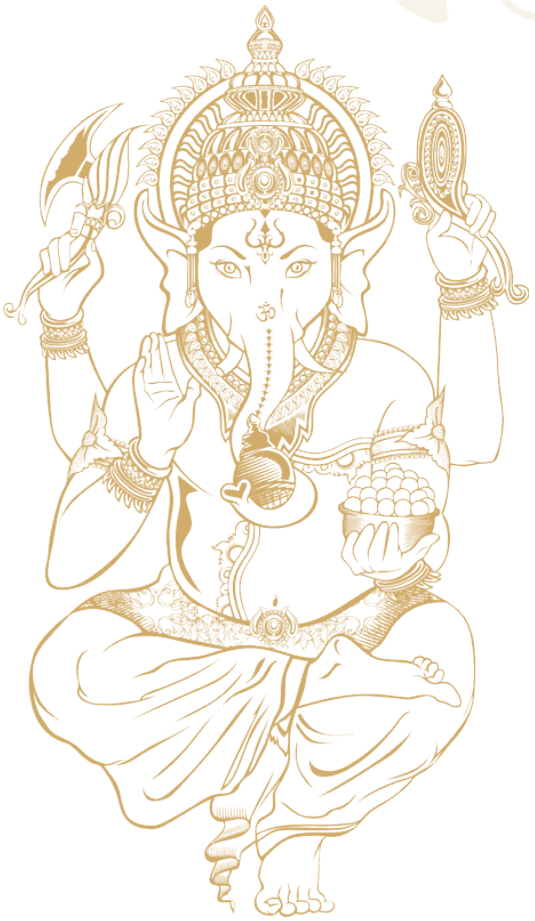

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/02/2026	जन्म तिथि	12/02/2026
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 11:22:00	जन्म समय	11:22:00 घंटे
घटी 10:49:16	जन्म समय(घटी)	10:49:16 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:17	सूर्योदय	07:02:17
18:08:47	सूर्यास्त	18:08:47
24:13:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:26

विंशोत्तरी बुध 1वर्ष 5मा 25दि बुध 12/02/2026 09/08/2027		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 1वर्ष 5मा 25दि बुध 12/02/2026 09/08/2027
	00/00/0000	14:47:10	कुंभ	बुध	कुंभ	14:47:10	00/00/0000
	00/00/0000	22:01:40	मिथु व	गुरु व	मिथु	22:01:40	00/00/0000
	00/00/0000	08:02:59	कुंभ	शुक्र	कुंभ	08:02:59	00/00/0000
	00/00/0000	05:35:00	मीन	शनि	मीन	05:35:00	00/00/0000
	00/00/0000	14:51:55	कुंभ व	राहु व	कुंभ	14:51:55	00/00/0000
	00/00/0000	14:51:55	सिंह व	केतु व	सिंह	14:51:55	00/00/0000
	00/00/0000	03:15:55	वृष	हर्ष	वृष	03:15:55	00/00/0000
	12/02/2026	06:15:00	मीन	नेप	मीन	06:15:00	12/02/2026
शनि	09/08/2027	09:49:27	मक	प्लूटो	मक	09:49:27	शनि 09/08/2027
		25:48:35	मेष	लग्न	मेष	25:48:35	
		29:17:35	मक	सूर्य	मक	29:17:35	
		28:50:00	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	28:50:00	
		21:19:32	मक	मंगल	मक	21:19:32	

लग्न-चलित

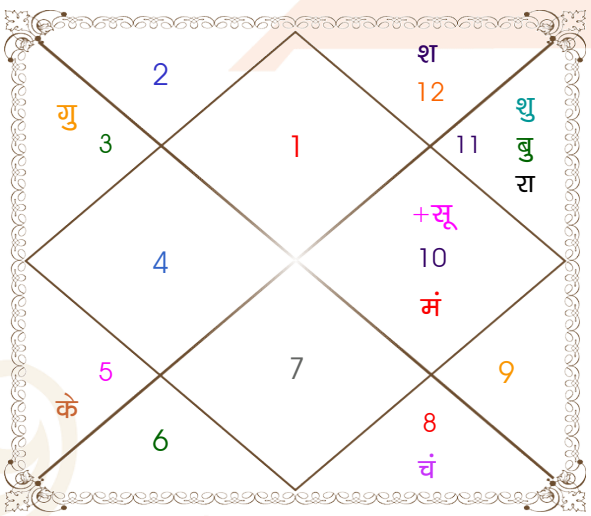

लग्न-चलित

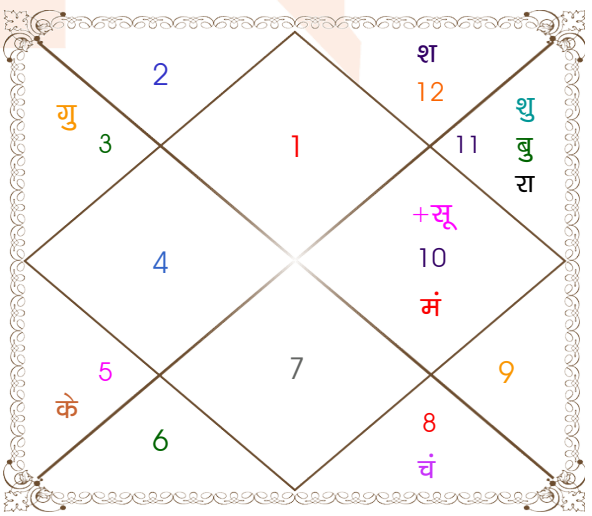

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977